**Today’s Poem – 01.10.2014**

**सर्वशक्तिमान् बाप आया है तुम्हें शक्ति देने**

**चिन्तामुक्त करने**

**हम बच्चे ही बेहद के बाप के बनते**

**भगवान टीचर बनकर हमें ही पढ़ाते**

**हम बच्चों ने बुलाया और बाप आया**

**विश्व का मालिक हमारा मेहमान बनकर आया**

**ज्ञान को बुद्धि में अच्छी रीति धारण कर अनेक आत्माओं को प्राण दान देना**

**स्वदर्शन चक्रधारी बनना**

**इस स्वीट संगम पर अपनी कमाई के साथ-साथ बाप की श्रीमत पर चल पूरा वर्सा लेना**

**अपनी लाइफ सदा सुखी बनाना**

**स्नेह की शक्ति सदा आगे बढ़ाती**

**स्नेह की उड़ान तन वा मन से, दिल से बाप के समीप ले आती**

**स्नेह का अर्थ है पास रहना, पास होना**

**और हर परिस्थिति को बहुत सहज पास करना**

**ओम् शान्ति**

**मेरा बाबा**

****